

## जैथरा जन चौपाल वधायक के सख्त नरिदेश, अधिकारियों में मचा हड़कंप!

### वषिय सूची (Table of Contents):

- >> 1. एटा के जैथरा में जन चौपाल अलीगंज वधायक ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं...
- >> 2. केंद्र सरकार के 12 वर्ष का जशन और जनकल्याणकारी योजनाओं पर वसितृत चर्चा...
- >> 3. अधिकारियों ने दी प्रधानमंत्री आवास और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं की जानकारी...
- >> 4. वधिया पेशन और जमीनी वविाद ग्रामीणों ने वधियाक के सामने रखी अपनी परेशानियां...
- >> 5. गांव के बुनयािदी ढांचे की मांग खडंजा नरिमाण और खराब रास्तों की शकियात...
- >> 6. वधियाक सत्यपाल सहि राठौर के सख्त नरिदेश सभी समस्याओं का तत्काल हो समाधान...
- >> 7. जन चौपाल का मुख्य लक्ष्य कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से न रहे...
- >> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...

### 1. एटा के जैथरा में जन चौपाल: अलीगंज वधायक ने सुनी ग्रामीण

उत्तर प्रदेश के एटा जलि के जैथरा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले धुमरी गांव में मंगलवार की रात एक वशिलाल जन चौपाल का आयोजन कयिया गया, जसिने ग्रामीण प्रशासन और आम जनता के बीच सीधे संवाद का एक अभूतपूर्व उदाहरण प्रस्तुत कयिया। इस महत्वपूर्ण जन चौपाल की अध्यक्षता अलीगंज वधियानसभा क्षेत्र के लोकप्रयि वधियाक सत्यपाल सहि राठौर ने की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सुदूर ग्रामीण अंचलों में नविस करने वाले उन तमाम नागरिकों की समस्याओं को जमीनी स्तर पर समझना और उनका त्वरति नसितारण करना था, जो अक्सर प्रशासनिक दफ्तरों के चक्कर काटने में असमर्थ होते हैं। वधियाक सत्यपाल सहि राठौर ने देर रात तक ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी एक-एक समस्या को पूरी गंभीरता और आत्मीयता के साथ सुना। जन चौपाल की अवधारणा भारतीय लोकतंत्र की उस मूल भावना को परलिक्षति करती है जहां सत्ता और प्रशासन स्वयं चलकर जनता के द्वार तक पहुंचते हैं। धुमरी गांव में आयोजति इस चौपाल में भारी संख्या में कसिनो, महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने हसिसा लयिया, जसिसे यह स्पष्ट होता है कि स्थानीय स्तर पर लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कतिने जागरूक और आशान्वति हैं। एटा जलि का यह जैथरा क्षेत्र कृषिप्रधान है, और स्वाभाविक रूप से यहाँ की अधिकांश समस्याएं भी कृषि, भूमि और मूलभूत सरकारी सुविधाओं से ही जुड़ी हुई थी। वधियाक ने स्पष्ट कयिया कि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि हैं और कसि भी नागरिक को अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए दर-दर भटकने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

इस जन चौपाल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक पारदर्शति और जवाबदेही सुनिश्चित करने का एक मजबूत प्रयास कयिया गया। अक्सर देखा गया है कि दूरदराज के गांवों में सूचनाओं का अभाव होता है, जसिके कारण लोग latest update और योजनाओं की सही status check करने में वफिल रहते हैं। जन चौपाल जैसे आयोजन इस सूचना की खाई को पाटने का काम करते हैं। वधियाक राठौर ने ग्रामीणों को आश्वस्त कयिया कि उनकी हर एक शकियात को रिकॉर्ड कयिया गया है और संबंधति वभिगों को इसके लिए उत्तरदायी बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के जन संवाद कार्यक्रम भवषिय में भी नरितर आयोजति कएि जाते रहेंगे ताकि गांव के अंतमि छोर पर बैठे व्यक्ति तिक वकिस की करिण पहुंच सके और वह सरकारी तंत्र से स्वयं को जुड़ा हुआ महसूस कर सके। प्रशासन और जनता के बीच

की यह सीधी बातचीत न केवल समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त करती है, बल्कि ग्रामीणों के मन में सरकार और उसके नुमाइंदों के प्रति विश्वास को भी सुदृढ़ करती है।

## 2. केंद्र सरकार के 12 वर्ष का जश्न और जनकल्याणकारी योजनाओं प

यह विशेष जन चौपाल केवल समस्याओं को सुनने का मंच नहीं था, बल्कि यह केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक वृहद कार्यक्रम भी था। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने पछिले एक दशक से अधिक समय में देश और प्रदेश में हुए आमूलचूल परिवर्तनों और विकास कार्यों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। केंद्र सरकार के इन 12 वर्षों के कार्यकाल को एक ऐतिहासिक कालखंड के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसमें गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे के विकास और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों ने ग्रामीण भारत की तस्वीर को बदलने का काम किया है। चौपाल में बताया गया कि कैसे सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं सीधे तौर पर आम आदमी के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में मददगार साबित हो रही हैं। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए सरकार ने अनगिनत प्रयास किए हैं। इसी संदर्भ में, महिला नेतृत्व की बढ़ती भूमिका भी समाज को प्रेरित कर रही है, जैसा कि हाल ही में राजनीतिक क्षेत्र में देखा गया है। इसके बारे में अधिक जानने के लिए आप अभूतपूर्व! डॉ. अरचना गुप्ता बनी हरियाणा BJP की पहली महिला अध्यक्ष राजनीति में चौकाने वाला मोड़पड़ सकते हैं। महिलाओं का यह बढ़ता वर्चस्व ग्राम पंचायतों से लेकर राष्ट्रीय राजनीतिक स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

## 3. अधिकारियों ने दी प्रधानमंत्री आवास और आयुष्मान भारत जैसी

इस महत्वपूर्ण जन चौपाल में न केवल राजनीतिक नेतृत्व उपस्थित था, बल्कि ब्लॉक और जिला स्तर के तमाम महत्वपूर्ण अधिकारी भी मौजूद थे, जिन्होंने ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की तकनीकी और व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। खंड विकास अधिकारी (BDO) शविशंकर शर्मा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) जैथरा के चिकित्सा अधीक्षक के साथ-साथ कृषि विभाग, समाज कल्याण विभाग, बाल विकास परियोजना और पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी पूरी तैयारी के साथ इस चौपाल में शामिल हुए थे। अधिकारियों ने एक-एक करके केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं, जैसे कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, विधवा पेंशन, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2026 की नई beneficiary list 2026 PDF कैसे ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है या ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर कैसे list check की जा सकती है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा के बारे में भी जागरूक किया गया और बताया गया कि कैसे लोग अपना गोल्डन कार्ड बनवा सकते हैं। योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियानों के बारे में बताते हुए, यह भी उल्लेख किया गया कि कैसे अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, पीएम किसान, आयुष्मान और आवास योजना का लाभ? 17-18 जून खासजैसी खबरें यह दर्शाती हैं कि पूरे देश में इन योजनाओं को लेकर एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान चल रहा है।

## 4. वधिया पेंशन और जमीनी ववाद: ग्रामीणों ने वधियाक के सामने

योजनाओं के प्रचार-प्रसार के बाद, जन चौपाल अपने सबसे महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर गई सीधा संवाद। वधियाक सत्यपाल सहि राठौर ने मंच से नीचे उतरकर सीधे ग्रामीणों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान गांव की कई महिलाओं ने वधिया पेंशन योजना का लाभ न मलने की गंभीर शकियायतें दर्ज कराईं। कई वृद्ध और बेसहारा महिलाओं ने बताया कि उन्होंने महीनों पहले online apply किया था, लेकिन अभी तक उनका status pending दिखा रहा है और उन्हें आर्थिक सहायता प्राप्त नहीं हुई है। इसके कारण उन्हें अपना जीवन यापन करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार, किसानों का एक बड़ा समूह ऐसा था जिन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान नधियोजना की नवीनतम कसित प्राप्त नहीं हुई थी। किसानों ने बताया कि e-KYC पूरा होने और पोर्टल पर सब कुछ सही होने के बावजूद भी उनका पैसा बैंक खाते में नहीं आ रहा है। कुछ किसानों की शकियायत थी कि उनका नाम latest update list 2026 में शामिल नहीं किया गया है। वधियाक ने इन सभी शकियायतों को ध्यानपूर्वक सुना और समाज कल्याण अधिकारी व कृषि अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से इन प्रकरणों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने और पात्र लाभार्थियों के खातों में पैसा ट्रांसफर करने के निर्देश दिए।

आर्थिक सहायता और पेंशन के अलावा, इस जन चौपाल में जमीनी ववादों (Land Disputes) और आपसी झगड़ों के कई मामले भी प्रमुखता से उभर कर सामने आए। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि की पैमाइश, मेड़बंदी और पुश्तैनी संपत्तियों के बंटवारे को लेकर अक्सर ववाद होते रहते हैं, जो कई बार गंभीर रूप धारण कर लेते हैं। धुमरी गांव के कई नवासियों ने शकियायत की कि राजस्व विभाग के कर्मचारी (लेखपाल और कानूनगो) समय पर उनकी जमीनों की पैमाइश नहीं करते हैं, जिससे गांव में तनाव की स्थिति बनी रहती है। कुछ लोगों ने अवैध कब्जों और चकरोड़ों (खेतों के बीच के रास्ते) पर दबंगों द्वारा अतिक्रमण की शकियायत भी की। इस पर वधियाक ने मौके पर मौजूद पुलिस विभाग के अधिकारियों और राजस्व विभाग के कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जमीनी ववादों को पूरी नष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ सुलझाया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर ऐसे मामलों का मौके पर ही नसितारण किया जाए ताकि ग्रामीणों को अदालतों और तहसीलों के लंबे और खर्चीले चक्कर न लगाने पड़ें। वधियाक का यह सीधा और सख्त रवैया देखकर ग्रामीणों को यह विश्वास हुआ कि अब उनकी समस्याओं का समाधान वास्तव में होगा।

## 5. गांव के बुनयादी ढांचे की मांग: खड़जा नरिमाण और खराब रा

किसी भी गांव के विकास की पहली शर्त वहां का मजबूत बुनयादी ढांचा होता है। धुमरी गांव में आयोजित इस जन चौपाल में ग्रामीणों ने गांव के रास्तों, नालियों और संपर्क मार्गों की दयनीय स्थिति को लेकर अपना गहरा असंतोष व्यक्त किया। सबसे प्रमुख मांग गांव के विभिन्न हिस्सों में खड़जा (ईंटों का रास्ता) नरिमाण की थी। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के मौसम में कई कच्चे रास्ते पूरी तरह से जलमग्न हो जाते हैं और कीचड़ के कारण पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। इसके अलावा, खेतों तक जाने वाले चकरोड़ों की हालत भी बेहद खराब है, जिससे किसानों को अपनी फसल ट्रैक्टर-ट्रैलरों के माध्यम से मुख्य सड़क तक लाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। चकरोड़ों की मरम्मत और उन्हें पक्का करने की मांग कई किसानों ने प्रमुखता से उठाई। उन्होंने बताया कि कई जगह चकरोड़ों पर अवैध कब्जा हो गया है, जिसके कारण रास्ते सकिड़ गए हैं। गांव के विकास कार्यों की जिम्मेदारी मुख्य रूप से ग्राम पंचायत और ब्लॉक प्रशासन की होती है, इसलिए वधियाक ने इस मुद्दे पर ग्राम प्रधान और खंड विकास अधिकारी (BDO) से सीधे जवाब-तलब किया और रुके हुए विकास कार्यों को तुरंत फिर से शुरू करने का आदेश दिया।

खड़जा और चकरोड के अलावा, गांव को मुख्य राजमार्ग या कस्बे से जोड़ने वाले संपर्क मार्गों (Connecting Roads) की खराब स्थिति भी एक बड़ा मुद्दा बनकर सामने आई। ग्रामीणों ने शिकायत की कि संपर्क मार्ग में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। विशेषकर रात के समय या किसी आपातकालीन चिकित्सा स्थिति में मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) जैथरा या जिला अस्पताल एटा तक ले जाना एक बहुत बड़ी चुनौती बन जाता है। स्कूली बच्चों को भी बारिश के दिनों में स्कूल पहुंचने में भारी दक्कतों का सामना करना पड़ता है। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, वधायक सत्यपाल सहि राठौर ने लोक निर्माण विभाग (PWD) और ग्रामीण अभ्युत्थरण विभाग (RES) के संबंधित अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिनि सड़कों की मरम्मत स्थानीय स्तर के बजट से हो सकती है, उन्हें मनरेगा (MGNREGA) या क्षेत्र पंचायत नर्धिकाे माध्यम से तुरंत बनवाया जाएगा, और बड़ी सड़कों के निर्माण के लिए वे स्वयं शासन स्तर पर पैरवी करके बजट स्वीकृत कराएंगे। ग्रामीणों के लिए यह आश्वासन एक बड़ी राहत लेकर आया, क्योंकि अच्छे रास्ते ही गांव की तरक्की का मुख्य मार्ग प्रशस्त करते हैं।

## 6. वधायक सत्यपाल सहि राठौर के सख्त निर्देश: सभी समस्याओं क

जन चौपाल के दौरान वधायक सत्यपाल सहि राठौर का रवैया पूरी तरह से जनता के पक्ष में और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ बेहद सख्त नजर आया। उन्होंने सभी शिकायतों को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ लिया तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल संज्ञान लेने और उनका निवारण करने के कड़े निर्देश दिए। वधायक ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका असर धरातल पर साफ दिखाई देना चाहिए। उन्होंने समयबद्ध नसितारण (Time-bound resolution) की बात पर विशेष जोर दिया। वधायक ने स्पष्ट कर दिया कि जो भी अधिकारी या कर्मचारी जनता के काम में बेवजह अड़ंगे लगाएगा या भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त से सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने विभागों से संबंधित लंबित आवेदनों की एक latest PDF list तैयार करें और यह सुनिश्चित करें कि आगामी 15 दिनों के भीतर सभी पात्र लोगों के खाते में उनकी पेंशन या सम्मान नर्धि पहुंच जाए।

वधायक का यह कड़ा रुख उन ग्रामीणों के लिए एक बड़ा संबल था जो लंबे समय से दफ्तरों के चक्कर काटकर निरिश हो चुके थे। सत्यपाल सहि राठौर ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार (Uttar Pradesh Government) का मुख्य उद्देश्य ही सुशासन (Good Governance) स्थापित करना है, और सुशासन तभी संभव है जब प्रशासन जनता के द्वार पर आकर उनकी तकलीफों को दूर करे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को भी कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने और जमीनी विवादों में किसी भी प्रकार के पक्षपात से बचने की हृदायत दी। वधायक ने ग्राम प्रधानों से भी अपील की कि वे गांव में गुटबाजी से ऊपर उठकर हर गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करें। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि जो लोग तकनीकी रूप से कमजोर हैं, उन्हें CSC केंद्रों पर online apply करने या status check करने में पंचायत सहायकों द्वारा पूरी मदद प्रदान की जाए। इस चौपाल में वधायक की कार्यशैली ने यह साबित कर दिया कि जब जनप्रतिनिधि दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम करता है, तो पूरी प्रशासनिक मशीनरी को जनता की सेवा में सक्रिय होना ही पड़ता है।

## 7. जन चौपाल का मुख्य लक्ष्य: कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योज

इस वसितृत और सफल जन चौपाल का समापन इस दृढ़ संकल्प के साथ हुआ कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हर एक व्यक्ति तक

विकास और सरकारी सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चिता की जाएगी। जन चौपाल का यह मुख्य लक्ष्य सरकार के अंत्योदय (Antyodaya) के दर्शन पर आधारित है, जिसका अर्थ है सबसे गरीब और वंचित व्यक्तिका उदय। वधायक और अधिकारियों ने एक स्वर में यह उद्घोष किया कि सरकार के पास योजनाओं और बजट की कोई कमी नहीं है, बस आवश्यकता है तो एक पारदर्शी और कुशल वितरण प्रणाली की। यह सुनिश्चिता करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि कोई भी वास्तविक और पात्र व्यक्ति (Eligible Beneficiary) अज्ञानता, तकनीकी जटिलताओं या अधिकारियों की लापरवाही के कारण प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान नधि, आयुष्मान भारत या किसी भी प्रकार की पेंशन योजना के लाभ से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य की पूर्तिके लिए अधिकारियों को गांव-गांव जाकर सर्वेक्षण करने और अपात्र लोगों के नाम सूची से हटाकर नए और वास्तविक पात्र लोगों के नाम जोड़ने का निर्देश दिया गया ताकि beneficiary list 2026 पूरी तरह से त्रुटिहीन हो।

कार्यक्रम के अंत में, ग्राम प्रधान, पंच और विभिन्न विभागों के उपस्थित कर्मचारियों ने भी यह संकल्प लिया कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ ग्रामीणों की सेवा करेंगे। घुमरी गांव में आयोजित यह जन चौपाल एक आदर्श उदाहरण बन गई कि कैसे ग्रामीण प्रशासन को जीवंत और उत्तरदायी बनाया जा सकता है। जब रात के पहर में यह चौपाल समाप्त हुई, तो ग्रामीणों के चेहरों पर एक नई उम्मीद और संतोष के भाव थे। उन्हें यह विश्वास हो गया था कि उनकी आवाज अब सिर्फ गांव की पगडंडियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सत्ता के गलियारों तक पहुंच चुकी है। जैथरा ब्लॉक के इस छोटे से गांव की यह घटना यह दर्शाती है कि सशक्त लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि जन चौपालों जैसे आयोजनों के माध्यम से यह हर दिन घड़कता है। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है जनता की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान करना, और यह जन चौपाल उसी दिशा में उठाया गया एक बेहद सार्थक और प्रभावी कदम साबित हुई।

## अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

इस जन चौपाल का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना और अलीगंज वधायक सत्यपाल सहि राठौर द्वारा जनता की समस्याओं (जैसे पेंशन, किसान नधि, जमीनी विवाद) को सीधे सुनकर अधिकारियों को उनके त्वरित और समयबद्ध नसितारण के निर्देश देना था।

ग्रामीणों ने मुख्य रूप से वधिया पेंशन न मिलने, प्रधानमंत्री किसान सम्मान नधि योजना की कसितें लंबित होने, गांव के कच्चे रास्तों व चकरोडों की खराब स्थिति, खड़जा निर्माण की आवश्यकता और विभिन्न प्रकार के जमीनी व आपसी विवादों से संबंधित शिकायतें प्रमुखता से वधायक के सामने रखी।

अधिकारियों ने ग्रामीणों को सलाह दी कि वे जन सेवा केंद्रों (CSC) के माध्यम से योजनाओं के लिए apply online करें और नियमित रूप से अपना status check करते रहें। साथ ही, फर्जी वेबसाइटों और साइबर घोटालों से बचने की भी सख्त हदियत दी गई ताकि 2026 की नवीनतम लाभार्थी सूची (PDF list) में उनका नाम सुरक्षित रूप से जुड़ सके।